केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 50 बुधवार 11 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

स्वच्छता ही सेवा अभियान 14 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छ भारत मैनेजमेण्ट कमेटी की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में उन्होने बताया कि स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 से 17 सितम्बर तक ब्लैक स्पाट का चिन्हॉकन एवं आनलाईन फीडिंग, 17 सितम्बर से 01 अक्टूबर तक चिन्हित ब्लैक स्पाट की सफाई, विभिन्न प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। उन्होने बताया कि 02 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ग्राम प्रधानों एवं अधिकारियों को सम्मानित किये जाने का निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिया।

उन्होने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस अभियान के तहत साफ–सफाई करने का फोटो संबधित पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होने सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 01 अक्टूबर को सभी सीएचसी पर लगाये जाने का निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया है। बैठक में सीडीओ जयदेव सी.एस., एडीएम प्रतिपाल चौहान, सीआरओ संजीव ओझा, सीएमओ डा. रमाशंकर दुबे, डीडीओ अजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, डीपीआरओ रतन कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, डीसी मनरेगा संजय शर्मा तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रामबाग विद्या मंदिर में जुटेंगे देश विदेश के छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग बस्ती में विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह की अध्यक्षता में पूर्व छात्र परिषद के पदाधिकारी और सदस्यों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में में अनेक बिंदुओं पर चर्चा हुई और निर्णय लिए गए।

लिए गए निर्णय के अनुसार पूर्व छात्र परिषद द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समागम 12 जनवरी 2025 दिन रविवार को विद्या भारती की परम्परा के अनुसार स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर किया जाएगा। यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम तीन सत्रों में विभाजित होगा।

संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य गोविंद सिंह ने बताया कि अभी इस कार्यक्रम में स्थापना वर्ष से 2015 तक 12 वीं उत्तीर्ण छात्र सम्मिलित होंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अभी गूगल फॉर्म में लगभग 178 पूर्व छात्रों ने सहमति दी है संशोधित गूगल फॉर्म की लिंक सभी से साझा की जा रही हैं, जिस पर दिनॉक 15 दिसंबर तक अपनी सहमति प्रेषित करनी है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविंद सिंह, पूर्व छात्र परिषद के समन्वयक विजय प्रताप पाठक, राजीव कुमार श्रीवास्तव एवं आचार्य श्री विनोद सिंह के अतिरिक्त दुर्गादत्त पांडेय, भावेश पांडेय, नितेंद्र अग्रवाल, राजेश पांडेय, सौरभ तुलस्यान, ऋतिकेश सहाय, अभिषेक चंद्र ओझा, अभय शंकर शुक्ला, उत्तम दुबे, आलोक मिश्रा आदि पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही।

मणिपुर में फिर तनाव, इंटरनेट, स्कूल–कालेज बंद

इम्फाल (आभा)। मणिपुर सरकार ने राज्य में कानून–व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर इंटरनेट सेवाओं पर 5 दिन के लिए पाबंदी लगा दी है। सरकार ने आशंका जताई है कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे घृणा फैलाने वाले संदेश और तस्वीरें प्रसारित हो सकती हैं, जो कानून–व्यवस्था की स्थिति को और बिगाड़ सकती है। राज्य सरकार की तरफ से सभी स्कूल–कॉलेजों को भी बंद करने का आदेश जारी किया गया है।

गृह विभाग की ओर से मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया और मैसेजिंग सेवाओं के जरिए फैलने वाले भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों के कारण जनसाधारण की शांति और सामुदायिक सद्भाव को खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस स्थिति को देखते हुए, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने और शांति बनाए रखने के लिए इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को 10 सितंबर की दोपहर 3 बजे से 15 सितंबर की दोपहर 3 बजे तक बंद रखने का आदेश दिया गया है। यह आदेश उन मामलों को छोड़कर लागू होगा जिनके लिए राज्य सरकार ने छूट दी है।

मणिपुर सरकार ने राज्य के सभी कॉलेजों और स्कूलों को गुरुवार तक बंद रखने का आदेश दिया है। उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग ने मंगलवार को एक आदेश जारी किया,

जिसमें कहा गया कि छात्र आंदोलन और सरकार से बाहरी आक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के चलते कॉलेज और स्कूल बंद रहेंगे।

8 सितंबर के सरकार के आदेश के तहत, सभी सरकारी और निजी कॉलेजों को बुधवार से गुरुवार तक बंद रखने की घोषणा की गई है। उसी दिन शिक्षा विभाग (स्कूल) ने भी स्कूलों की बंदी की अवधि को गुरुवार तक बढ़ा दिया है। स्कूलों को बढ़ती हिंसा के मद्देनजर इन्हें शनिवार से बंद किया गया था।

केंद्र ने जातीय संघर्ष से प्रभावित मणिपुर में सुरक्षा ड्यूटी के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की दो नई बटालियन की तैनाती का निर्देश दिया है, जिनमें करीब 2,000 जवान होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि बटालियन संख्या–58 को वारंगल (तेलंगाना) से, जबकि बटालियन संख्या–112 को लातेहार (झारखंड) से भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक बटालियन को मणिपुर के कांगवई (चुराचांदपुर) जबकि दूसरी बटालियन को इंफाल के आसपास तैनात किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि यह कदम जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर के कुछ अन्य हिस्सों में तैनाती के लिए मणिपुर से असम राइफल्स की दो बटालियन को वापस बुलाए जाने के बाद उठाया गया है।

डायट में टीएलएम, नवाचार मेला 11,12 सितम्बर को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में दो दिवसीय बेस्ट प्रेक्टिसेज, नॉलेज शेयरिंग, टीएलएम एवं नवाचार मेला 11 और 12 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि बेसिक शिक्षा से जनपद के प्रत्येक विकासखंड से प्राथमिक स्तर के तीन तथा उच्च प्राथमिक स्तर के तीन कुल छः शिक्षक शामिल होंगे। इस तरह नगर क्षेत्र को मिलाकर जिले से प्राथमिक स्तर में 45 तथा उच्च प्राथमिक स्तर में 45 शिक्षक प्रतिभा करेंगे। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा से कक्षा 9 और 10 में पूरे जनपद से कुल 15 तथा कक्षा 11 और 12 से कुल 15 शिक्षक शामिल होंगे। 11 सितंबर दिन बुधवार को कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 9, 10 के शिक्षक मेले में प्रतिभाग करेंगे। इसी तरह 12 सितंबर दिन गुरुवार को कक्षा 6 से 8 तथा कक्षा 11, 12 के शिक्षक प्रतिभा करेंगे। डायट प्राचार्य ने कहा कि मेले में प्रतिभाग करने वाले शिक्षक समय से प्रतिभाग करें और किसी भी जानकारी के लिए कार्यक्रम के नोडल प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद से संपर्क करें।

बिजली मीटर रीडर को पीटा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली थानाक्षेत्र के हरैया मिश्र गांव में बिजली विभाग के मीटर रीडर को एक उपभोक्ता ने लाठी से हमला कर दिया। हमले में मीटर रीडर का हाथ फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सोमवार को हरैया मिश्र गांव में मीटर रीडर रवींद्र शुक्ला रीडिंग करने गए थे। वह गांव में रमेश यादव के घर मीटर रीडिंग के लिए पहुंचे, लेकिन मीटर ऊंचाई पर लगा था। उन्होंने रमेश यादव से बिजली का बिल मांगने लगे। आरोप है कि बिल मांगने पर रमेश गाली देने लगा। प्रतिरोध करने पर रमेश ने लाठी से हमला कर दिया। हमले में उनका दाहिना हाथ टूट गया और गंभीर चोट लगी। रमेश यादव ने मीटर रीडिंग मशीन को भी तोड़ दिया। पीड़ित ने इसकी सूचना जेई को दी।

वहीं रुधौली पुलिस ने सीएचसी रुधौली में इलाज कराया जहां डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने रमेश यादव के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।

दबंग युवकों ने डिजिटल क्राप सर्वे करने गये प्राविधिक सहायक को मारा पीटाः कर्मचारियों में रोष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार अधिनस्थ कृषि सेवा संघ जिलाध्यक्ष अभिषेक की अध्यक्षता में पदाधिकारियों, सदस्यों की बैठक उप कृषि निदेशक कार्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में प्राविधिक सहायक पद पर कार्यरत भानुशंकर को भानपुर तहसील क्षेत्र के रुधौली थाना क्षेत्र के दसिया गांव के मुसहर टोला में डिजिटल क्राप सर्वे के दौरान गांव के ही कुछ युवकों द्वारा मारने पीटने, अभद्र व्यवहार करने के घटना की कड़े शब्दों में निन्दा की गई। मांग किया गया कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ा दण्ड दिया जाय जिससे भविष्य में इस प्रकार के घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाये। बैठक में उपस्थित प्राविधिक सहायक भानुशंकर ने बताया कि वे दसिया गांव के मुसहर टोला के निकट स्थित खेतों का डिजिटल क्राप सर्वे कर रहे थे उसी समय गांव के अरविन्द, गोली पुत्रगण राम रक्षा, संजय पुत्र रामललन, रामलाल पुत्र राम सूरत

-दोषियों के गिरफ्तारी, प्राविधिक सहायकों को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग

और एक अज्ञात ने डिजिटल क्राप सर्वे से रोका। कहा हमारे गांव में ये नहीं होने देंगे। भानुशंकर के अनुसार उन्होंने युवकों को जानकारी दी किन्तु वे मारपीट पर आमाद हो गये। उन्हें सर, कंधे, उंगली में चोटे आयी है। रुधौली पुलिस ने भानुशंकर के तहरीर पर 4 युवकों के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 351 (3), 352, 221, 121 (1) और 132 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया है। बैठक में मांग किया गया कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने के साथ ही सर्वे के दौरान प्राविधिक सहायकों को सुरक्षा उपलब्ध कराया जाय।

बैठक के बाद अधिनस्थ कृषि सेवा संघ और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने विकास भवन के निकट घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। मांग किया कि दोषियों को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाय। राम अधार पाल और जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि परिषद प्राविधिक सहायकों के साथ है और न्याय मिलने तक हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जायेगी। बैठक में मुख्य रूप से दिलीप चौधरी, विजय वर्मा, शिवपाल, क्षितिज, मुकेश कुमार, अमित कुमार, अनुपम कुमार, सूरज कुमार सिंह, आनन्द कुमार सिंह, रामलल्लन, धीरेन्द्र वर्मा, पवन कुमार, शिखर गौतम, अंजनी कुमार यादव, राजेन्द्र प्रसाद, वृजेश कुमार निषाद, सदानन्द मौर्य, अरून कुमार, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, रामू प्रजापति, दिलीप कुमार विश्वकर्मा, संदीप अमेटा के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिंचाई बंधु की बैठक में उठे जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित हुयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी बैठक में स्वयं उपस्थित हो, विशेष परिस्थिति में ही प्रतिस्थानीय को भेजें तथा यह सुनिश्चित कर ले कि प्रतिस्थानीय को विभागीय योजनाओं के संबंध में बैठक से संबंधित बिन्दुओं की पूरी जानकारी हों। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक के पूर्व कार्यवृत्त के अनुसार अनुपालन आख्या अमल में लाया जाये। उन्होंने नहर खण्ड–3 गोण्डा तथा खण्ड–4 अयोध्या से टेल फीडिंग में आ रही समस्या के दृष्टिगत शासन स्तर पर अगली बैठक के माध्यम से निर्णय

लेकर पत्राचार करने का निर्देश दिया।

किसानों के लिए नलकूप से की जानी वाली सिंचाई की व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर ए.ई. नलकूप ने बताया कि 622 नलकूपों में से 4 नलकूप यांत्रिकदोष तथा 7 विद्युतदोष से बाधित है, जिन्हें एक सप्ताह में ठीक करा लिया जायेगा। उन्होंने प्रतिनिधि सांसद/विधायक कप्तानगंज गुलाबचन्द्र सोनकर के पूछे जाने पर बताया कि वर्तमान समय से 36 नलकूप निष्क्रिय चिन्हित है, जिन्हें ठीक कराने के लिए नियमानुसार विभागीय कार्यवाही की जा रही है। वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक भानुप्रताप त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 1957 हेक्टेयर का लक्ष्य विभाग को प्राप्त हुआ है, जिसके सापेक्ष 124 हेक्टेयर का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। किसानों के लिए 20 एच.पी. ट्रैक्टर पर रू. 01 लाख का अनुदान, पावरट्रिलर 8 एच.पी. तक 75 हजार का अनुदान डीबीटी के माध्यम से देय है। इसके अलावा उद्यान विभाग द्वारा केला, आम, पपीता और कटहल की बागवानी पर भी किसानों के लिए अनुदान देय है। किसी भी योजना हेतु आनलाईन आवेदन करने पर प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर देय है।

भूमि संरक्षण के प्राविधिक सहायक विपिन कुमार ने बताया कि 350 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके लिए स्थल चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए रू. 7800 प्रतिहेक्टेयर अनुदान देय है। बैठक में विधायक हर्रैया प्रतिनिधि सरोज मिश्रा, सदर के मो. सलीम, राजनरायण त्रिपाठी, बलिकरन चौहान, अरूण कुमार चौधरी, डा. रणजीत सिंह, इ. रामनरेश, इ. प्रभाकर कुमार, हरिश्चन्द्र उपाध्याय, शीलभद्र सिंह, रामवृक्ष, दुर्गेश श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अमेरिका में बोले राहुल- दलितों को 100 में 5 रुपए मिलते हैं

नई दिल्ली (आभा)। राहुल मंगलवार को 2 कार्यक्रमों में शामिल हुए। जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी में उन्होंने छात्रों से बातचीत की। अमेरिका दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी ने मंगलवार को आरक्षण पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस तभी आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जब देश में सभी को समान अवसर मिलने लगेंगे। फिलहाल भारत में ऐसी स्थिति नहीं है।'

दरअसल, वॉशिंगटन डीसी के जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी में राहुल से पूछा गया था कि भारत में आरक्षण कब तक चलेगा? इसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं इसके बाद भारत में मायावती ने उनके बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा, 'राहुल के नाटक से सतर्क रहें, वे आरक्षण को खत्म करने की साजिश में जुटे हैं।'

अमेरिका में दिए राहुल के एक और बयान पर विरोधियों ने उनकी

निंदा की है। राहुल ने कहा था, भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं? क्या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे? ये चिंता सिर्फ सिखों की नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

इस पर भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने कहा, 'सिखों को भारत में तभी डर लगा था जब राहुल का परिवार सत्ता में था। मैं 6 दशकों से पगड़ी पहन रहा हूं।'

वहीं राहुल के आरक्षण वाले बयान पर भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने निशाना साधते हुए कहा कि "आरक्षण का विरोध उनकी विरासत है। राहुल जिस संविधान को लेकर घूमते हैं, उसी के साथ सबसे बड़ा छलावा और धोखा कर रहे हैं।"

खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया बड़कऊ वर्मा के तबादले का मामलाः सुदामा पाण्डेय ने दिया आत्मदाह की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया बड़कऊ वर्मा के हर्रैया से गौर स्थानान्तरण आदेश के क्रम में अब तक ब्लाक का कार्यभार न छोड़े जाने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है । उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित जनपद के अन्य उच्चाधिकारियों को आगाह करते हुए चेतावनी दिया है कि यदि 12 सितम्बर तक खण्ड शिक्षा हर्रैया से कार्यभार नहीं लिया गया तो वो 13 सितम्बर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय अनशन उपरान्त आत्मदाह करेंगे । अब देखना होगा कि जिला प्रशासन 30 अगस्त के स्थानांतरण आदेश का तत्काल अनुपालन करायेगा या 12जुलाई 2018की भांति घटना घटित

होने का इंतजार करेगा । विदित हो कि कथनी करनी में अंतर न रखते हुए चन्द्रमणि पाण्डेय जो ठान लेते है उसे करके दिखाते हैं । इसी क्रम में वो तटबंध विहीन गांवों में बांध निर्माण की अपनी वर्षों पुरानी मांग पर अमल न होने की दशा में अपने अल्टीमेटम के क्रम में उफनाती घाघरा में कूद गये थे जिन्हें काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने निकाल कर सीएचसी हर्रैया पहुंचाया था जहां से वो जिला अस्पताल होते हुए मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर हुए थे तत्पश्चात उनके मांग के क्रम में बांध निर्माण व अन्य कार्य में तेजी आई थी इसके पूर्व उन्होंने टूटे अमहट पुल निर्माण हेतु 23 दिनों तक आमरण अनशन किया था इस दौरान उन्हें दो बार बेहोशी की अवस्था में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। अब जबकि उनके चार माह के अथक प्रयास के बाद खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया का स्थानांतरण 30 अगस्त की डेट में हर्रैया से गौर किया जा चुका है तब भी खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया नहीं छोड़ रहे हैं । ऐसे में चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने आत्मदाह कर लेने की चेतावनी दे दिया है।

आशा एवं आशा संगिनी ने मुख्यमंत्री को भेजा 4 सूत्रीय ज्ञापन, समायोजन की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को आशा बहू स्वास्थ्य समिति मण्डल अध्यक्ष सुशीला देवी के नेतृत्व में आशा एवं आशा संगिनी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के द्वारा मांग किया गया है कि आशा एवं आशा संगिनी कार्यकत्रियों को राज्य कर्मचारी के रूप में समायोजित करते हुये सम्मानजनक निश्चित मासिक मानदेय, एन.एच.एम. कर्मचारियों के समान बीमा का लाभ, ए.एन.एम. एवं स्टाप नर्स के प्रशिक्षण प्राप्त आशा एवं आशा संगिनी के नियुक्ति में वरीयता, शैक्षिक योग्यता के आधार पर स्वास्थ्य विभाग, एन. एच.एम. में अन्य पदों पर नियुक्ति में वरीयता दिये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद सुशीला देवी ने कहा कि जिस समय आशा एवं आशा संगिनी का चयन

किया गया था कार्य और दायित्व सीमित थे। अब सामान्य निर्वाचन से लेकर अनेक कार्यों में नियमित कर्मचारी की भांति आदेशित, निर्देशित करते हुये आशा एवं आशा संगिनी से कार्य लिया जा रहा है। अन्य कार्यों की कोई प्रतिपूर्ति भी नहीं किया जाता। एन.एच.एम. के कर्मचारियों और आशा एवं आशा संगिनी के बीमा में दोहरी नीति अपनायी जा रही है। आशा एवं आशा संगिनी को जो मोबाइल फोन दिया गया था उसमें से अधिकाश खराब हो गये हैं, ऐसे में अच्छे किस्म का स्मार्ट फोन उपलब्ध कराने के साथ ही आशा एवं आशा संगिनी को नियुक्तियों में वरीयता दी जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रीती उपाध्याय, श्वेता पाण्डेय, नीलम शुक्ला, सीमा, प्रभावती चौधरी, कुसुम देवी, नीलम यादव, रहीसुन्निशां, कुसुम लता, मालती देवी, कंचन राय, नीलिमा मिश्रा आदि आशा एवं आशा संगिनी शामिल रही।

पुण्यतिथि पर याद किये गये अमर बलिदानी वीर अब्दुल हमीद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को कबीर साहित्य एवं सेवा संस्थान के अध्यक्ष मो. सामईन फारूकी के संयोजन में प्रेस क्लब में कार्यक्रम आयोजित कर 1965 के युद्ध में पाकिस्तान के दांत खट्टे कर देने वाले परमवीर चक्र से सम्मानित वीर अब्दुल हमीद को उनके पुण्य तिथि पर याद किया गया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद ने अपनी 'गन माउनटेड जीप' से सात, पाकिस्तानी पैटन टैंकों को नष्ट कर भारतीय सैन्य इतिहास में एक मील का पत्थर खड़ा किया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा। हमें ऐसे वीर जवानों की स्मृतियों को संजोये रखना होगा।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दशरथ प्रसाद यादव, बी.के. मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव

ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के धामूपुर गाँव में 1 जुलाई 1933 में जन्मे वीर अब्दुल हमीद का योगदान सदैव याद किया जायेगा। भारतीय सैनिकों के पास न तो टैंक थे और न तो बड़े हथियार लेकिन उनके पास था भारत माता की रक्षा के लिए लड़ते हुए मर जाने का हौसला था। ऐसे बलिदानियों के कारण ही हम सुरक्षित है। संचालन करते हुये आयोजक मो. सामईन फारूकी ने कहा कि जब–जब बीरता की चर्चा होगी वीर अब्दुल हमीद सदैव याद किये जायेंगे।

अध्यक्षता करते हुये ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद ने सिद्ध कर दिया कि यदि इच्छा शक्ति हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

पुण्य तिथि पर अमर बलिदानी वीर अब्दुल हमीद को नमन् करने वालों में फूलचन्द चौधरी, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, सुनील कुमार साहनी, अरूण कुमार यादव, राजाराम यादव, दीपक सिंह प्रेमी, डा. वाहिद अली सिददीकी, डा. मनोज पाण्डेय आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 11 सितम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

मणिपुर के सुलगते सवाल

मणिपुर में भड़की हिंसा को एक साल से अधिक समय होने के बावजूद संकट के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं। राज्य सरकार के लगातार किए जा रहे दावे के बावजूद हिंसा थम नहीं रही है। आखिर कैसे कोई राज्य सरकार अपने नागरिकों के बीच लगातार जारी हिंसा, विस्थापन तथा सामान्य जीवन पर उपजे संकट के बावजूद निष्क्रिय नजर आती है। यह स्थिति डबल इंजन सरकार की तार्किकता को खारिज करती है। सबसे चिंता की बात यह है कि दोनों समुदायों के बीच संघर्ष का लाभ उग्रवादी तत्व उठाते नजर आ रहे हैं। उससे ज्यादा चिंताजनक यह कि वे अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालात पर सरकार की कमजोर पकड़ के चलते म्यांमार सीमा में आवाजाही करने वाले चरमपंथी संगठनों को मणिपुर में अपना आधार मजबूत करने का मौका मिला है। जिन पर राज्य सरकार का हिंसा पर रोक लगाने के दावे का कोई असर होता नजर नहीं आता। तभी राष्ट्रविरोधी व चरमपंथी संगठनों को मजबूत आधार मिलने लगा है। दरअसल, जिन इलाकों में ज्यादा हिंसा हो रही है, वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों की उपस्थिति को बढ़ाया जाना चाहिए था। यह बेहद चिंताजनक बात है कि चरमपंथी ड्रोन के जरिये बम व राकेटों से हमले कर रहे हैं। निस्संदेह, मणिपुर की हिंसा का देश–दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार राजधर्म का पालन करते नहीं दिखती। जिससे उसकी नीति–नीयत पर सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल, सवाल केंद्र सरकार की कारगुजारियों को लेकर भी उठ रहे हैं। सवाल पूछे जा रहे हैं कि जब मौजूदा मुख्यमंत्री हिंसा शुरू हुए सवा साल बीत जाने के बाद भी हालात पर काबू नहीं कर पा रहे हैं तो केंद्र ने उनकी जगह सक्षम व्यक्ति को मौका क्यों नहीं दिया? अपने राजनीतिक व रणनीतिक उद्देश्यों के लिये भाजपा ने विगत में कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन भी किये हैं।

दरअसल, मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष भी लगातार केंद्र सरकार, खासकर प्रधानमंत्री पर हमलावर रहा है। सड़क से लेकर संसद तक प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने के मामले में सवाल उठाए जाते रहे हैं। कहा गया कि प्रधानमंत्री रूस व यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने के लिये तो प्रयासरत रहे हैं, लेकिन अपने देश में मणिपुर समस्या के समाधान के प्रति उदासीन नजर आते रहे हैं। मणिपुर के मुद्दे पर उदासीनता तथा निष्क्रियता से उग्रवादियों को जड़ें जमाने का मौका मिल रहा है। जो कालांतर देश के लिये भी घातक साबित हो सकता है, क्योंकि ये हिंसा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी असर दिखा सकती है। यही वजह है कि हाल की हिंसा के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए केंद्र सरकार से कदम उठाने की मांग की है। इतना ही नहीं, उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सहित एकीकृत कमान का प्रभार राज्य सरकार को सौंपने की बात भी कही है। निश्चित रूप से मैतई व कुकी समुदायों में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिये बातचीत शुरू करने की जरूरत है। सवाल उठे हैं कि राज्य में लोकसभा चुनाव में पार्टी की शिकस्त के बावजूद नेतृत्व परिवर्तन पर विचार क्यों नहीं किया गया? आखिर केंद्र व राज्य सरकार ने लंबे समय से स्थितियों को यूं ही क्यों चलने दिया? सवाल उठाये जाते हैं कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर जाने का निर्णय क्यों नहीं लिया? मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की दलील रही है कि प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री को राज्य में भेजा और अपनी चिंता का उल्लेख स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। निश्चित रूप से ऐसी कोशिशें मणिपुर की हिंसा को खत्म करने में मददगार साबित नहीं हुई हैं। खासकर पिछले दिनों चरमपंथियों द्वारा बमबारी के लिये ड्रोन व राकेट के इस्तेमाल ने सुरक्षा बलों की चिंता को बढ़ाया है। निश्चित रूप से हिंसा पर अंकुश लगाने व कानून का शासन बहाल करने के लिये केंद्र व राज्य को अपनी रणनीति में बदलाव करना चाहिए। साथ ही संघर्षरत पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की भी कोशिश नये सिरे से होनी चाहिए। निस्संदेह, मणिपुर की रक्षा के लिये प्रधानमंत्री का सीधा हस्तक्षेप अपरिहार्य ही है।

स्वदेशी एआई को मजबूत बनाने की जरूरत

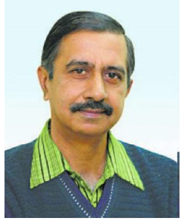

—मुकुल व्यास—

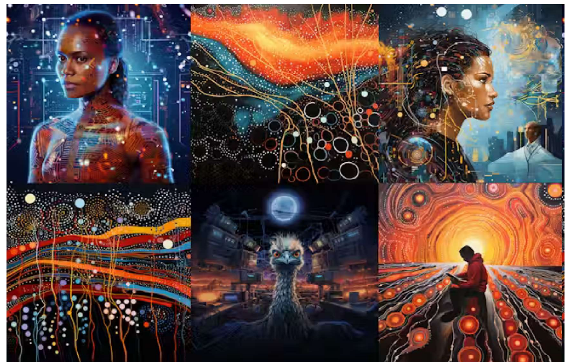

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है। अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं। वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है। आज पूरी दुनिया में एआई हावी है। इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा। भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद,भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है। अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं। एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है।

अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमशः 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है। अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है। चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है।

दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमशः 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं। 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं। इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं। रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है।

इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है। ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना।

अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है। आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है।

बिट्स पिलानी के कुलपति वी. रामगोपाल राव का कहना है कि अमेरिका और चीन जैसे देशों ने उच्च शिक्षा और बड़े संस्थानों में भारी निवेश किया है। बिट्स पिलानी, एआई शोध में देश के शीर्ष 20 स्कूलों में एकमात्र निजी संस्थान है। उन्होंने कहा कि चीन अकेले पेकिंग और सिंघुआ विश्वविद्यालयों पर जो खर्च करता है, वह भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा बजट के बराबर है। इसलिए कुछ विश्वविद्यालय होने चाहिए जिन्हें प्राथमिकता दी जाए और फिर आप वहां क्षमता का निर्माण करें। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा चीन ने किया।

राव ने उच्च शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रति दस लाख लोगों पर 255 शोधकर्ता हैं, जबकि अमेरिका जैसे देशों में 4,245 है। उन्होंने कहा, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, भारत में उच्च शिक्षा में निवेश कम हो रहा है। चेंज इंजिन के संस्थापक वरुण अग्रवाल ने कहा कि बुनियादी एआई शोध में क्षमता एआई अनुप्रयोगों और प्रसार के अलावा भारत के दीर्घकालिक नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अगले 5 वर्षों में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए कम से कम 4 प्रतिशत की वृद्धि दर की आवश्यकता है। इसका भारतीय नवाचार पर उत्प्रेरक प्रभाव पड़ेगा।

एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं। यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024–25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा। नीति आयोग के अनुसार, 2035 तक, एआई में भारत की अर्थव्यवस्था में 1 ट्रिलियन डॉलर जोड़ने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन उन प्रयासों पर केंद्रित है, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट शहरों और स्मार्ट मोबिलिटी और परिवहन सहित बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में भारत को लाभान्वित करेंगे।

दरअसल, यह मिशन राष्ट्रीय स्तर पर कोर अनुसंधान क्षमता विकसित करने पर व्यापक शिक्षा–उद्योग बातचीत के साथ काम करेगा। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग भी शामिल होंगे। यह नए ज्ञान के निर्माण और अनुप्रयोगों को विकसित करने और तैनात करने के माध्यम से प्रौद्योगिकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सरकार का मुख्य जोर डेटा की गुणवत्ता को बढ़ाना और स्वदेशी एआई तकनीक को विकसित करने पर होना चाहिए। साथ ही शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना और प्रभावशाली एआई स्टार्टअप को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक होगा। इस दिशा में समग्र प्रयासों से ही भारत आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया के तकनीकी रूप से उन्नत देशों को टक्कर दे पाएगा।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

नजरिया बदलने से रूकेंगे अपराध

—क्षमा शर्मा—

कई बार बहुत सी चीजें चकित करती हैं। पिछले कुछ सालों से सिम्बोलिज्म या प्रतीकात्मकता बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में बंगाल में एक युवा डाक्टर के साथ जिस तरह से दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, उसने पूरे देश को उद्वेलित किया। हाथरस कांड और निर्भया के वक्त भी ऐसा ही हुआ था। बंगाल में उस अभागी लड़की को अभया कह कर पुकारा जाने लगा। आप कह सकते हैं कि चूंकि दुष्कर्म पीड़िता का नाम जग जाहिर करना कानूनी अपराध है , ऐसा इसलिए किया गया। फिर वहां जो नया दुष्कर्म कानून आया उसे भी अपराजिता कह कर पुकारा गया। एक लड़की अभया हो सकती है , निर्भया हो सकती है, यानी कि उसे किसी से डर नहीं लगता।

वह अपराजिता भी हो सकती है कि किसी से पराजित न हो। मगर लड़कियों के जीवन में इस तरह के सांकेतिक नाम रखने से क्या बदलता है। क्या उनके प्रति अपराध होने से रुक जाते हैं। निर्भया का मामला 2012 में हुआ था। कहा गया था कि दुष्कर्म के खिलाफ ऐसा कठोर कानून बनाया जाए, जिससे कि अपराधी ऐसा करने की हिम्मत न कर सकें लेकिन क्या ऐसा हो सका। क्या कठोर कानून के बावजूद बलात्कार के मामलों में कमी आई। एन.सी. आर.बी. के आंकड़ों को देखें तो लगता है, ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। 2021 यानी कि निर्भया मामले के 9 साल बाद, दिल्ली में सबसे अधिक दुष्कर्म हुए जिनकी संख्या 1221 थी। राज्यों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का नम्बर था। 2021 में ही जयपुर में देश में सबसे अधिक दुष्कर्म हुए थे और कोलकाता में सबसे कम। लेकिन पिछले दिनों कोलकाता के मामले ने ही सबको परेशान कर दिया। ऐसा क्यों है कि एक ओर लड़कियों को पूजते हैं, मातृ–शक्ति को सबसे बड़ा मानते हैं और दूसरी तरफ मौका मिलते ही उनके प्रति किसी भी कुकृत्य को करने से बाज नहीं आते।

यहां तक कि नजदीकी रिश्तेदार तक ऐसा करते हैं। बहुत पहले केरल में एक रिपोर्ट आई थी जिसमें बताया गया था कि बहुत से नजदीकी रिश्तेदार अपनी रिश्तेदार उम्रदराज महिलाओं को भी नहीं बख्शते। सुनने में यह भयावह लगता है कि हमारी बुजुर्ग नानी–दादियां भी इस तरह

हद तो यह है कि छोटे बच्चे भी इस तरह के अपराधों में शामिल पाए जाते हैं। हम समझते हैं कि लड़कियों और महिलाओं के प्रति अपराध बाहर वाले ही करते हैं, मगर हमेशा ऐसा सच नहीं है। बचपन में जब घर की बुजुर्ग महिलाएं कहती थीं कि घर के पुरुषों के सामने दुपट्टा ओढ़कर जाओ, तो बहुत बुरा लगता था, लेकिन आज समझ में आता है कि वे ऐसा क्यों कहती थीं। वे उन वृतियों को पहचानती थीं, जिनसे अपराध जन्म लेते हैं। लेकिन यह भी सच है कि किसी ने कैसे कपड़े पहने हैं , यह देखकर लोग उसके प्रति अपराध करने को प्रेरित हों। लगता तो यह है कि लड़कियां और स्त्रियां कैसे भी कपड़े पहनें , वे घर से बाहर रहें या अंदर, वे हमेशा अपराधों की जद में होती हैं और यह सिर्फ हिन्दुस्तान की बात नहीं है। वे देश जो महिला सुरक्षा और महिलाओं की बराबरी को लेकर दूसरे देशों को बहुत ज्ञान बांटते रहते हैं, वहां की आबादी और दुष्कर्म के मामले देखिए, तो वे बहुत बड़ी संख्या में नजर आते हैं।

के अपराधों का शिकार हों। इस रिपोर्ट को जानकर उस समय के केरल के मुख्यमंत्री भी विचलित हो उठे थे। हाल ही में एक खबर ने परेशान किया था कि राजस्थान में गांव में रहने वाले एक मां–बेटे शादी से लौट रहे थे। बेटे ने खूब शराब पी रखी थी। एक सुनसान जगह देखकर बेटे ने मां के साथ दुष्कर्म जैसे अपराध को अंजाम दिया। मां अपने मां होने की दुहाई देती रही, लेकिन वह न माना। नशा उतरने के बाद उसने खुद अपराध स्वीकार किया। शराब के बारे में यों ही नहीं कहा जाता कि उसे पीने के बाद लोग होश खो बैठते हैं। लेकिन जरूरी नहीं कि शराब पीने के बाद ही ऐसे अपराध किए जाते हों।

हद तो यह है कि छोटे बच्चे भी इस तरह के अपराधों में शामिल पाए जाते हैं। हम समझते हैं कि लड़कियों और महिलाओं के प्रति अपराध बाहर वाले ही करते हैं, मगर हमेशा ऐसा सच नहीं है। बचपन में जब घर की बुजुर्ग महिलाएं कहती थीं कि घर के पुरुषों के सामने दुपट्टा ओढ़कर जाओ, तो बहुत बुरा लगता था, लेकिन आज समझ में आता है कि वे ऐसा क्यों कहती थीं। वे उन वृत्तियों को पहचानती थीं, जिनसे अपराध जन्म लेते हैं। लेकिन यह भी सच है कि किसी ने कैसे कपड़े पहने हैं , यह देखकर लोग उसके प्रति अपराध करने को प्रेरित हों। लगता तो यह है कि लड़कियां और स्त्रियां कैसे भी कपड़े पहनें , वे घर से बाहर रहें या अंदर, वे हमेशा अपराधों की जद में होती हैं और यह सिर्फ हिन्दुस्तान की बात नहीं है। वे देश जो महिला सुरक्षा और महिलाओं की बराबरी को लेकर दूसरे देशों को बहुत ज्ञान बांटते रहते हैं, वहां की आबादी और दुष्कर्म के मामले देखिए, तो वे बहुत बड़ी संख्या में नजर आते हैं।

सोचने की बात यही है कि आखिर ऐसा कैसे हो कि महिलाएं अपने घरों में और बाहर सुरक्षित रह सकें। जहां वे काम करती हैं, वहां तो सुरक्षा और भी जरूरी है। कोलकाता की डाक्टर के साथ अपराध उसी अस्पताल में हुआ, जहां वह काम करती थी। आप लाख कानून बना लीजिए, कठोर से कठोर दंड दे दीजिए, लेकिन अपराध नहीं रुकते। निर्भया के प्रति जिन लड़कों ने अपराध किया था, उन्हें फांसी दी ही गई थी। लेकिन सवाल औरतों के प्रति हमारे नजरिए का है। जब तक औरत होने का मतलब किसी से कमजोर होना है, उसके शरीर मात्र को देखकर हमलावर होना है और किसी तरह का पछतावा भी न हो, तो सारे कानून और सारा हो–हल्ला व्यर्थ सा लगता है। किसी पीड़िता का नाम अभया रख लीजिए, निर्भया रख लीजिए, अपराजिता पुकारिए लेकिन अगर सोच न बदले, औरतों के प्रति वह दृष्टिकोण न बदले, तो कानून किसी काम के नहीं हैं। वे एक मनोवैज्ञानिक सहारा तो दे सकते हैं, लेकिन यह भी तो सच है कि अधिकांश गरीब, साधनहीन स्त्रियों की पहुंच उन तक नहीं होती। औरतों के प्रति नजरिया बदलने पर ही उनके प्रति अपराध रुक सकते हैं।

स्कूली छात्र और मोबाइल का खतरा

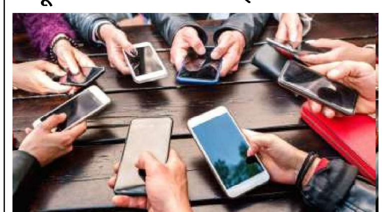

—डा. वरिन्द्र भाटिया—

तरो ताजा खबरों से विदित हो रहा है कि फ्रांस में करीब 200 माध्यमिक स्कूलों (कक्षा 6 से 8) ने क्लास में स्मार्टफोन लाने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इसे डिजिटल ब्रेक का नाम दिया गया है। फिलहाल यह अभियान परीक्षण के चरण में है। यह फैसला मोबाइल और इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों पर किशोरों का स्क्रीन टाइम (स्क्रीन देखने का समय) घटाने और उन्हें ऑनलाइन शोषण और साइबरबुङ्क्षलग से बचाने के लिए लिया गया है। अगर यह परीक्षण कामयाब होता है, तो 2025 तक इसे फ्रांस के सभी स्कूलों में लागू किया जा सकता है।

मोबाइल या सैलफोन आजकल हर व्यक्ति के जीवन में आधुनिक दूरसंचार का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। कई देशों में, आधी से ज़्यादा आबादी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करती है और मोबाइल फोन का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, सऊदी अरब खाड़ी क्षेत्र के देशों में सबसे ज्यादा मोबाइल उपयोगकर्त्ताओं के साथ पहले स्थान पर है। खाड़ी देशों में ओमान दूसरे स्थान पर है, उसके बाद कुवैत और यू.ए.ई. हैं। चूंकि दुनिया भर में अरबों लोग मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभावों की घटनाओं में थोड़ी–सी भी वृद्धि दीर्घकालिक आधार पर बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव डाल सकती है।

फ्रांस में शुरू किए जा रहे नए प्रयोग के अनुसार किशोर सुबह स्कूल आने पर अपना मोबाइल शिक्षकों को सौंप देते हैं। वे जब तक स्कूल में रहते हैं, उनके मोबाइल फोन बेहद सुरक्षित ब्रीफकेस में रखे जाते हैं। इसके लिए संबंधित स्कूलों ने खुद ही फंड इकट्ठा करके ब्रीफकेस जैसे स्टोरेज उपकरण खरीदे हैं। कई विशेषज्ञ आगाह करते हैं कि किशोरों और बच्चों में स्मार्टफोन का बढ़ता चलन और सोशल मीडिया के प्रति रुझान, लत की हद तक बढ़ता जा रहा है। यह सेहत के लिए बड़े खतरे की तरह देखा जा रहा है। अपने देश में भी छात्रों द्वारा मोबाइल का अनियमित उपयोग उफान पर है। शिक्षा से जड़े अनेक लोग इस बिंदू पर हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। छात्रों की मानसिक हैल्थ को बेहतर बनाने के लिए व्यवस्था से भी इस बिंदू पर सख्त गाइडलाइंस का इंतजार है। यह काम किसको करना होगा?

हमारे यहां तो मां–बाप 3 साल के बच्चे के हाथ में मोबाइल पकड़ा देते हैं ताकि बच्चा उनको बेवजह परेशान न करे। बच्चा मोबाइल पर कार्टून देखता रहे , चाहे मानसिक विकृति का शिकार हो जाए। हम समझ लें कि कम उम्र के बच्चों और छात्रों में सैलफोन से मस्तिष्क कैंसर होने का जोखिम वयस्कों की तुलना में अधिक होता है। उनका तंत्रिका तंत्र अभी भी विकसित हो रहा होता है और इसलिए कैंसर पैदा करने वाले कारकों के प्रति अधिक संवेदनशील है। क्या हमें इस ङ्क्षबदू को नजरअंदाज करना चाहिए?

क्यों न हम बच्चों, छात्रों और खुद भी मोबाइल और डिजिटल तकनीकों से दूर रहें। क्या छात्रों को मोबाइल गेम्स की बजाय बिना मोबाइल की गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करना बेहतर नहीं होगा? ऐसा न करने के कारण भी देसी खेलें विलुप्त होती जा रही हैं। कुल मिलाकर सिर्फ छात्र ही नहीं, हम सबके लिए, मोबाइल का संयमित प्रयोग करना हमारी लाइफ को मानसिक शांति से परिपूर्ण कर सकता है।

तालाब में डूबकर चार बालिकाओं की मौत, सीएम योगी ने जताया शोक

संवाददाता—बहराइच। नवाबगंज थाना क्षेत्र के सतीजोर गांव में स्थित तालाब में डूबकर चार बालिकाओं की मौत हो गई। इससे हड़कंप मच गया। सभी के शव तालाब से बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतो के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मृतक बच्चियों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सतीजोर में तालाब स्थित है। इस समय तालाब में बेली फूल लगा हुआ है जिसे तोड़ने के लिए मंगलवार को गांव निवासी महक (14) पुत्री कालीन खान गई तो महक तालाब में डूबने लगी। इसी दौरान महक को बचाने के लिए सामिया (10) पुत्री इशरत, साइबा (10) पुत्री मेराज और सरिकुल खातून (13) मकबूल खां भी डूब गई।

तालाब में डूबने से तीन बालिकाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक बालिका को ग्राम प्रधान और अन्य की मदद से अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी भी अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। चार बालिकाओं की तालाब में डूबकर मौत हुई है। एक ही गांव में चार मौत से मातम छा गया है। एसडीएम अश्विनी कुमार पांडेय और थानाध्यक्ष शीला यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है।

हथियारों के बल पर दो नर्तकियों को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, दो को लगी गोली, छह गिरफ्तार

संवाददाता—कुशीनगर। रामकोला स्थित थाना क्षेत्र के एक चौराहे पर स्थित एक मकान में घुसकर रविवार देर रात दो लग्जरी वहनों से आए मनबढ़ों ने असलहे के बल पर आर्केस्ट्रा में काम करने वाली दो नर्तकियों को अगवा कर लिया। इसके बाद रास्ते भर फायरिंग करते हुए नर्तकियों को कप्तानगंज क्षेत्र के सोहनी गांव ले गए और वहां सामूहिक दुष्कर्म किया।

लोगों की सूचना पर पीछा करते हुए पुलिस मौके पर पहुंच गई और नर्तकियों को छुड़ाकर छह आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों में पांच गोरखपुर, जबकि एक कुशीनगर का रहने वाला है। आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, अपहरण, हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल दोनों लग्जरी वाहन, एक विदेशी सहित दो लाइसेंसी और एक गैर लाइसेंसी असलहा जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, रामकोला थाना क्षेत्र के गोबरही बाजार इलाके के एक चौराहे पर स्थित मकान में प. बंगाल निवासी दो नर्तकियां रहती हैं। आरोप है कि रविवार देर रात करीब 11.30 बजे दो लग्जरी वाहनों से छह लोग पहुंचे और जबरन नर्तकियों के कमरे में घुस गए। असलहा निकालकर हवाई फायरिंग करते हुए जबरन नर्तकियों को अपनी गाड़ी में बैठाकर ले जाने लगे। फायरिंग की आवाज सुनकर वहां अफरातफरी मच गई। एक पड़ोसी ने बीच—बचाव करने की कोशिश की तो मनबढ़ों ने उनको भी मारा—पीटा। इस पर दहशत के मारे अगल—बगल के लोगों ने अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद कर लिए। इसके बाद मनबढ़ नर्तकियों को गाड़ी में बैठाकर कप्तानगंज की ओर निकल गए। नर्तकियों का आरोप है कि रास्ते भर मनबढ़ों ने हवाई फायरिंग करते हुए उनके साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सोहनी गणेश चौक पर एक मकान में ले गए और बारी—बारी उनके साथ दुष्कर्म किया।

उधर, जिनके मकान में नर्तकियां रहती हैं, उन्होंने रामकोला पुलिस को सूचना दी और गाड़ी का नंबर भी बताया जिससे मनबढ़ आए थे। गाड़ी नंबर के आधार पर पुलिस ने उसके मालिक का पता किया तो पता चला कि यह गोरखपुर के किसी आर्थक सिंह के नाम से है। इसके साथ ही पुलिस ने कप्तानगंज पुलिस को भी मामले की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही कप्तानगंज पुलिस भी सक्रिय हो गई। मनबढ़ चूंकि रास्ते भर फायरिंग करते गए थे। इसलिए लोगों से उनकी लोकेशन के बारे में पुलिस को पता चलता गया। घटनास्थल पर मनबढ़ों ने कई राउंड फायरिंग की थी। उसी आधार पर पुलिस कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सोहनी गांव में अजीत सिंह के घर पहुंच गई, जहां से नर्तकियों को बरामद किया गया। पुलिस ने सभी छह आरोपियों को दबोच लिया।

नर्तकियों को असलहे के बल पर अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों में आर्थक सिंह निवासी बरही कोठी थाना कैंट गोरखपुर, डॉ. विवेक सेठ निवासी फर्टिलाइजर रोड, झुंगिया गेट थाना चिलुआताल, कृष तिवारी निवासी मेडिकल कॉलेज रोड, नारायण नगरी, सेमरा नंबर—दो, थाना चिलुआताल, अस्वन सिंह निवासी विशुनपुरा थाना पिपराइच, गोरखपुर, नागेंद्र यादव निवासी मीरा हॉस्पिटल, फर्टिलाइजर रोड, झुंगिया गेट, चिलुआताल, गोरखपुर मलू निवासी शिवपुर—गनेशपुर थाना रुद्रपुर जिला देवरिया और अजीत सिंह निवासी सोहनी थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक दोनों पर पहले से गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। दोनों पर 25,000 रुपये का ईनाम था। इनके कब्जे से पुलिस ने एक बाइक, दो अवैध असलहे, फयरशुदा खोखा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है।

सरलता और संतत्व की प्रतिमूर्ति थे गुरुदेव भगवान —जगतगुरु रामदिनेशाचार्य

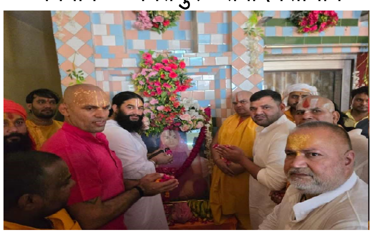

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। संतो की सराय कही जाने वाली रामनगरी में अनेक भजनानंदी संत हुए है। ऐसे संत जो अपना संपूर्ण जीवन भगवत भजन में ही समर्पित कर दिया उन संतों में एक के परम पूज्य जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य महाराज। हरिधाम गोपाल पीठ स्वामीजी की तपोस्थली आज भी अपने वैभव को समेटे हुए आध्यात्मिकता को चार चांद लगा रहा है। रामनगरी का आध्यात्मिक जगत जिन आचार्यों से आलोकित है उनमें जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य जी महाराज एक है। जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य जी ने रामानंद सम्प्रदाय के तेज को पूरे भारत में फैलाया। आज भी उनके शिष्य परिकर अपने गुरु की पावन पुण्य स्मृति में पूरे श्रद्धा से अपनी भावांजलि उनके श्रीचरणों में निवेदित करते है।

हरि गोपाल धाम पीठ में जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी हर्याचार्य जी महाराज की 15 वी पुण्यतिथि उनके शिष्य जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य महाराज के संयोजन में मनाई गई। जिसमें अयोध्या के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।स्वामी रामदिनेशाचार्य ने बताया गुरुदेव भगवान सरलता और संतत्व की प्रतिमूर्ति थे। सेवा और सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए हमेशा आदेशित किया करते थे। इस अवसर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नारायण दास, दशरथ महल के महंत बिंदुगद्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य, महंत अवधेश दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, श्री महंत मुरली दास, मंगल भवन पीठाधीश्वर कृपालु राम भूषण दास, श्री राम अधिकारी राजकुमार दास, महामंडलेश्वर आशुतोष दास, डॉ महेश दास, राजेश पहलवान,श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह, अयोध्या विधायक वेद गुप्ता, पूर्व सांसद निर्मल खत्री सहित हजारों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

52 लाभार्थियों को दिया गया ऋण स्वीकृति पत्र व चेक

संवाददाता—श्रावस्ती। इंडियन बैंक, श्रावस्ती की ओर से विकास खण्ड सिरसिया के जोखवा गांव में मंगलवार को दुग्ध उद्योग ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र व चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, एसपी घनश्याम चौरसिया व महाप्रबन्धक कृष्ण चन्द्र साहू ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान जिलाधिकरी व पुलिस अधीक्षक ने दुग्ध उद्योग के लिए कुल 52 लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति एक लाख 50 हजार रुपये का चेक व ऋण स्वीकृति प्रमाण पत्र देकर लाभान्वित किया। डीएम ने कहा कि श्रावस्ती आकांक्षी जनपदों की श्रेणी में आता है। आर्थिक दृष्टि से विकास करने को स्वरोजगार को बढ़ावा देना जरूरी है। इंडियन बैंक की यह पहल सराहनीय है कि उनकी ओर से योजनाओं के माध्यम से कई लोगों को रोजगार दिया गया है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को लाभ मिलेगा और ऋण लेकर वह खुद का रोजगार शुरू कर सकते हैं। एसपी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य डेयरी उत्पादों के विकास, उत्पादन, विपणन और वितरण में मदद करना है। साथ ही लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और जनपद की आर्थिक व्यवस्था और सुदृढ़ हो सके। इस मौके पर मुख्य प्रबन्धक मंडलीय कार्यालय सुधीर प्रसाद मिश्रा, एलडीएम बहराइच जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एलडीएम श्रावस्ती सुभाष चन्द्र मित्रा, निदेशक आरसेटी संदीप यादव आदि मौजूद रहे।

समाजवादी संत सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। रामनगरी के एसएएसएस टी विजय राघव विद्यालय (शिक्षक कालोनी) बासुपुर सिरसा, जयसिंहपुर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, उपस्थित जनों ने समाजवादी संत सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हनुमानगढ़ी के पूर्व सरपंच बाबा भवनाथ दास महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। वहीं कक्षा 10 के छात्र समर पांडेय ने आत्म शांति हेतु स्तुति किया।

श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए अयोध्याधाम स्थित सिद्ध पीठ करतलिया बाबा भजनाश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमहंत बालयोगी रामदास ने कहा कि बाबा भवनाथ दास महाराज हमारे राजनैतिक गुरु रहे। एक अभिवावक के रूप में उनका संरक्षण हमेशा प्राप्त हुआ। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार था। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। वह अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत रहे। उनके अंदर दूरदर्शिता थी। वह आने वाले हालातों को पहले से ही भांप लेते थे। उन्होंने हमेशा गरीबों और मजलूमों की लड़ाई लड़ी। जरूरत पड़ने पर वह उनके साथ खड़े रहते थे। महाराजश्री के बारे में जितना कहा जाए वह कम ही होगा। वह अब हम सबके बीच नही हैं। उनका देहावसान हो चुका है। उनके न रहने पर हम सब बहुत दुखी हैं। उनकी कमी बहुत ही अखर रही है। भविष्य में उस रिक्त स्थान की पूर्ति कभी नही की जा सकती है। उनकी यश—कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। हम सब उनके बतलाए हुए पदचिह्नों पर चलेंगे। उनका अनुसरण करेंगे। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। श्रद्धांजलि सभा में अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय के प्राचार्य राम बक्श यादव ने भी महाराज श्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विद्यालय के छात्र—छात्राओं संग शिक्षकगण भी मौजूद रहे।

आतंक मचाने वाला पांचवां नरभक्षी भेड़िया पिंजरे में कैद

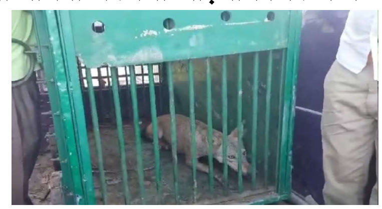

संवाददाता—बहराइच। आतंक मचाने वाला पांचवां नरभक्षी भेड़िया को पकड़ लिया गया है। वन विभाग के अथक प्रयास के बाद बहराइच के महसी इलाके में भेड़िए को मंगलवार को सुबह पकड़ लिया गया है और पिंजरे में कैद कर लिया गया है। भेड़िये के पकड़े जाने की खबर क्षेत्र में फैलने से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। भेड़िए के हमले से अब तक दस लोगों की जानें जा चुकी हैं।

इलाके में 53 दिनों से आतंक मचाने वाला नरभक्षी भेड़िया लगातार वन विभाग की टीम को चकमा देकर लापता हो रहा था इसको तलाशने के लिए तकरीबन 165 कर्मचारी लगाए गए थे 18 शूटर इस भेड़िए की तलाश कर रहे थे। नरभक्षी भेड़िया के पकड़े जाने के बाद प्रमुख वन संरक्षक रेनू सिंह ने बताया कि बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अभी भी हमारा सर्च अभियान चलता रहेगा। अगर ड्रोन कैमरे में छठवां भेड़िया दिखाई पड़ता है, तो निश्चित रूप से उसे भी हम पकड़ने का प्रयास करेंगे।पकड़े गए भेड़िए को मेडिकल के लिए जिला मुख्यालय पर भेजा गया है। रेनू सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों से वार्ता करके इसे चिड़ियाघर में भेजा जाएगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) संजय पाठक ने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार देर रात हरदी थाना क्षेत्र के हरीबख्शपुरवा गांव में टीम को एक भेड़िये की मौजूदगी का पता चला। इस मौके को न चूकने के लिए सभी टीमों को भेड़िये को पकड़ने के लिए गांव भेजा गया। पाठक ने बताया कि कुछ घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार सुबह टीम भेड़िये को पकड़ने में सफल रही। उन्होंने बताया कि जानवर को पिंजरे में बंद कर बहराइच संभागीय कार्यालय में स्थानांतरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बचाया गया जानवर मादा है और उसकी उम्र करीब डेढ़ साल है। उन्होंने बताया कि जानवर काफी थका हुआ लग रहा है। संभागीय कार्यालय में जानवर का मेडिकल चेकअप कराया जाएगा, जिसके बाद जानवर के बारे में आगे का निर्णय लिया जाएगा। लगभग 50 गांवों में भेड़ियों के आतंक की दहशत फैली हुई है। ऐसे में वन विभाग और बहराइच प्रशासन आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने की हर मुमकिन कोशिश में लगा है। उत्तर प्रदेश बहराइच डिवीजन के वन सीओ अभिषेक सिंह ने कहा कि डीएफओ के नेतृत्व में हमारी पूरी टीम यहां आई है। ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक पांच भेड़िए पकड़े जा चुके हैं।

चोरी की तीन बाइक के साथ दो अंतरजनपदीय वाहन चोर दबोचे

संवाददाता—महराजगंज। बरगदवा पुलिस ने चोरी की तीन बाइकों के साथ दो शातिर अंतरजनपदीय वाहन लिफ्टरों को गिरफ्तार किया है। भारतीय सीमा क्षेत्र से बाइक चोरी कर आरोपित चोरी छिपे बार्डर पार कर नेपाल में ले जाकर बेचते थे। चोरी की बाइक बरामदगी के बाद बरगदवा पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया है। पुलिस कार्यालय में मंगलवार को एसपी सोमेन्द्र मीना ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध चोरी की बाइक लेकर नेपाल जाने की फिराक में हैं। इस सूचना पर बरगदवा पुलिस ने एसएसबी चकरार रोड पर दबिश देकर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की तीन बाइक की बरामदगी हुई। चोरी की तीन बाइकों के साथ पकड़े गए दोनों आरोपित गोरखपुर व सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ में एक ने अपना नाम योगेश मौर्य पुत्र रामिलन मौर्य (28) बताया। वह गोरखपुर जनपद के कैंपियरगंज क्षेत्र के माधोपुर गांव का निवासी है। दूसरा आरोपित हरिचरन पुत्र निर्मल ग्रासभा मुड़िला राजा थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर का रहने वाला है।

एसपी ने बताया कि दोनों आरोपित शातिर अपराधी हैं। भारतीय सीमा से बाइक चुराकर उसे नेपाल में ले जाकर बेचते थे। उनके पास से बरामद तीन बाइकों में महराजगंज नंबर की हीरो सुपर स्प्लेंडर बाइक, गोरखपुर नंबर की हीरो होंडा स्प्लेंडर व हीरो पैशन प्रो शामिल हैं। गोरखपुर के कैंपियरगंज थानाक्षेत्र के माधोपुर गांव निवासी योगेश मौर्य के खिलाफ पनियरा थाना में दो व बृजमनगंज थानाक्षेत्र में एक केस दर्ज है। सिद्धार्थनगर जिले के जोगिया उदयपुर थानाक्षेत्र जनपद सिद्धार्थनगर के खिलाफ थाना सिद्धार्थनगर में दो केस, बांसी थाना व जोगिया उदयपुर थाना में एक—एक केस है। चोरी की बाइक के साथ तीन अंतर्जनपदीय बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में बरगदवा थानाध्यक्ष अमित सिंह, एसआई रवीन्द्र नारायण मिश्र, एसआई इम्तियाज अहमद, एसआई यूटी शिक्षितानंद गौतम, हेड कांस्टेबल अतीक अहमद, कांस्टेबल संदीप मौर्या, विवेकानंद गौड़ शामिल रहे।

मजदूरी करने निकले शख्स की माइनर में मिली लाश

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा में नहर चौराहे से धंगरहवा की ओर जाने वाली माइनर में कब्रिस्तान के पास मंगलवार को एक युवक की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिली है। मौके पर उसकी साइकिल शव के बगल में पड़ी थी और माइनर में घुटने भर ही पानी था। शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी मच गई। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। युवक की पहचान हो गई है और वह सुबह घर से साइकिल से मजदूरी करने निकला था। माइनर में शव मिलने की सूचना पर पहुंचे लोगों ने मृत युवक की पहचान उमेश पुत्र बसंत (46) के रूप में की। वह ग्राम रजौड़ा खुर्द के तेलिया टोला का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह साढ़े सात बजे के करीब वह साइकिल से मजदूरी करने के लिए निकला था। नहर के रास्ते ही पनियरा कस्बे में आ रहा था। इसी बीच उसकी लाश मिलने से कोहराम मच गया। सूचना पर उसकी पत्नी तारा व अन्य परिजन मौके पर पहुंचकर शव की पहचान किए। उसकी पत्नी रो—रोकर बेसुध हो गई थी। उमेश मजदूरी कर ही अपने परिवार का पालन—पोषण करता था। उसकी तीन बेटियां अंशु 21 साल, स्नेहा 17 साल व नेहा 12 साल के साथ एक बेटा संदीप 15 साल है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। इस घटना को लेकर लोग तरह—तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक को झटके की बीमारी बताई जा रही है। मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

डायरिया से दो सगी बहनों के साथ ही एक चचेरे भाई की मौत, छह बीमार

संवाददाता—गोण्डा। इटियाथोक के एक गांव में जन्मदिन समारोह में खाना खाने के बाद दूसरे दिन बच्चों की तबीयत खराब हो गई। सिलसिलेवार तीन मौतों से हाहाकार मच गया है। एक गांव में जन्मदिन की खुशियां मातम में बदल गई। इटियाथोक क्षेत्र के विशुनपुर संगम मधईजोत में डायरिया फैलने से दो सगी बहनों के साथ चचेरे भाई की मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य छह लोग बीमार हो गए हैं। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है। परिवार के तीन मासूम बच्चों की सिलसिलेवार हुई मौत से हाहाकार मच गया। बच्चे के जन्मदिन पर भोज का आयोजन था, जिसमें सभी ने भोजन किया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और एक के बाद एक तीन बच्चों की मौत हो गई। डायरिया से मौत की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर छिड़काव कराया है। इटियाथोक ब्लॉक प्रमुख पूनम द्विवेदी ने भी गांव में पहुंचकर परिवार के लोगों से जानकारी ली और मदद का भरोसा दिलाया।

परिवार के मुखिया काली प्रसाद तिवारी ने बताया कि उनके पौत्र और प्रिंस के बेटे शिवा तिवारी (2) का 06 सितंबर को जन्मदिन था। घर में कथा के बाद शाम को भोज का आयोजन था जिसमें परिवार के लोगों के साथ ही रिश्तेदार व संबंधी भी शामिल थे। भोज के बाद रात में सभी लोग सो गए। दूसरे दिन 07 सितंबर को पौत्र शिवा की तबीयत अचानक बिगड़ गई, उसे उल्टी—दस्त शुरू हो गई। उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे, वहां पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शिवा का अंतिम संस्कार कर दिया गया। अगले दिन 08 सितंबर को प्रिंस के बड़े भाई मनीष तिवारी की 25 दिन की दुधमुंही बेटी मुन्नी की भी तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया।

मौत का सिलसिला यहीं नहीं थमा। सोमवार को मनीष की बड़ी बेटी पल्लवी तिवारी (7) की तबीयत बिगड़ने पर गोंडा ले गए, जहां उल्टी—दस्त के बाद उसकी भी मौत हो गई। जबकि परिवार के छह लोग और बीमार हो गए। डायरिया से मौत की सूचना पर इटियाथोक ब्लॉक प्रमुख पूनम द्विवेदी ने गांव में पहुंचकर परिवार का हाल जाना और सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुनील पासवान के साथ—साथ जोएमओ डॉ. रश्मि वर्मा को सूचना दी। इसके बाद गांव में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डायरिया से पीड़ित सुनीता (40), अमन (22), दीपशिखा (19), अनीता (24) मुस्कान (30) व आदर्श (32) को सीएचसी भिजवाया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। गांव में डायरिया फैलने की सूचना पर सफाईकर्मियों को लगाया गया है।

गांव में पंचायत विभाग ने उतारी सफाईकर्मियों की फौज

संवाददाता—गोण्डा। मधईजोत गांव में तीन मासूम की मौत के बाद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सभी विभागों को एलर्ट कर दिया है। पंचायत विभाग की तरफ से इटियाथोक की पांच न्याय पंचायत के करीब 60 सफाईकर्मियों की फौज गांव भेजकर साफ सफाई शुरू करवा दी है। गांव में कई जगहों पर इकट्ठा सड़े गले मलबे को जेसीबी के द्वारा हटवाया जा रहा है। एडीओ पंचायत गिरिजेश पटेल के नेतृत्व में गांव में एंटी लारवा का छिड़काव कराया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में ओआरएस पैकेट, क्लोरीन की किट भी बांटी गई है। घटना के बाद शुद्ध पेयजल के लगवा रहे इंडिया मार्का हैंडपंपरू गांव में हुए तीन मासूम बच्चों की मौत के बाद गांव वालों को शुद्ध पेयजल म प्रधान रामदीन ने गांव में तत्काल नल की बोरिंग शुरू करवा दी। ग्राम प्रधान रामदीन ने बताया गांव के लोगो के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था ग्राम निधि से की जा रही है। जिससे गांव के लोगो को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। मधईजोत गांव में डायरिया के प्रकोप होने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर प्रभावित लोगों का उपचार किया गया।

गांव में साफ—सफाई भी कराई जा रही है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैंप कर रही है।

महुआ गांव में छत पर सो रहे किशोर पर तेंदुए का हमला, घायल

संवाददाता—बलरामपुर। गैसड़ी नगर क्षेत्र के वार्ड नम्बर तीन महुआ गांव में सोमवार रात छत पर सो रहे किशोर को तेंदुए ने घायल कर दिया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद किशोर की हालत सुधर गई। महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के महदेइया गांव से मंगलवार सुबह पांच बजे झाड़ी में छिपे सियार को ग्रामीणों के सामने से तेंदुआ उठा ले गया। जब तक लोग पीछा करते तब तक तेंदुआ गन्ना खेत में घुसकर गुम हो गया। महदेइया व उसके आस पास के गांव में तेंदुए को लेकर दहशत फैली है। हर्रैया थाना क्षेत्र स्थित जमधरा नाला निकट निराश्रित मवेशी का अवशेष पाया गया। उसे सोमवार रात तेंदुए ने निवाला बनाया है। महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के बदलपुर के मजरे उदईपुर में भेड़िये ने घर के बाहर बंधी बकरी को निवाला बना लिया। उसके अवशेष गांव के कुछ दूर पर पड़े मिले हैं। तराई क्षेत्र में इस समय तेंदुए के साथ—साथ भेड़िये का खौफ भी बढ़ रहा है। गैसड़ी नगर पंचायत का वार्ड नम्बर तीन महुआ रामपुर वन रेंज से सटा गांव है। सोमवार रात 17 वर्षीय शमसुद्दीन पुत्र जहीरुद्दीन छत पर गहरी नींद में सोया था। एक बजे रात को तेंदुआ छत पर चढ़ गया। उसने शमसुद्दीन के दाहिने हाथ में जोरदार पंजा मारा। उसके चिल्लाने पर तेंदुए ने छत से छलांग लगा दी और जंगल की ओर भाग निकला। शमसुद्दीन को रात में ही सीएचसी गैसड़ी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। रामपुर के रेंजर प्रभात कुमार वर्मा ने बताया कि वन्यजीवों के प्रति ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वहीं महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के महदेइया, खैरहनिया, दांदव, सुगानगर, विजयीडीह, मैटहवा, लहेरी व मिर्जापुर आदि गांव के निकट तेंदुआ अक्सर दिख जाता है। तेंदुए का प्रिय भोजन होता है सियार। तेंदुए से बचने के लिए सियार गांव के झाड़ी झुरकुट में शरण लेते हैं। मंगलवार सुबह पांच बजे गांव के बाबूलाल, पुत्तन, कल्लू, सहित आधा दर्जन लोग बैठकर आपस वार्ता कर रहे थे। बाबूलाल के घर के निकट अचानक सियारों का झुंड दिखाई पड़ा। सभी सियार झाड़ी में जाकर छिप गए। वहां खड़े लोग माजरा समझ नहीं सके। इसी बीच दबे पांव पहुंचे तेंदुए ने झाड़ी में छलांग लगा दी। एक सियार को जबड़े में दबोचा और नौ दो ग्यारह हो गया।

एसपी के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक विनय वर्मा,कहा- विधायक की भी बात नहीं सुनी जा रही

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। भाजपा गठबंधन अपना दल एस के विधायक विनय वर्मा ने मंगलवार शाम 4 बजे पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। शोहरतगढ़ विधायक सिद्धार्थ तिराहा स्थित नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने महात्मा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके धरना पर बैठ गए।

विधायक विनय वर्मा ने कहा कि पुलिस अधीक्षक और उनके मातहतों की जन विरोधी कार्यप्रणाली के विरोध में उन्हें धरना देने के लिए विवश होना पड़ा। वह जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं, क्योंकि थानों में पीड़ितों के खिलाफ ही केस दर्ज करके प्रताड़ित किया जा रहा है। विधायक की बात भी नहीं सुनी जा रही है। विधायक ने तीन दिन पहले ही विधान सभा अध्यक्ष को पत्र भेजकर धरना की जानकारी दे दी थी कि वह मंगलवार से धरना पर बैठेंगे। नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने सुबह 9 बजे ही धरना देने के लिए टेंट लगा दिया गया, लेकिन धरना स्थगित करने के लिए अधिकारियों और विधायक के बीच बातें होती रहीं।

इस मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने विधायक के साथ जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर के साथ बैठक करके बात की। जिलाधिकारी से बातचीत के बाद धरना होने पर असमंजस की स्थिति थी और विधायक अपने समर्थकों के साथ तीन घंटे तक भाजपा कार्यालय में बैठे रहे, लेकिन दोपहर 3 बजे विधायक ने फिर धरना देने की घोषणा की और उनके समर्थक भी आने लगे। विधायक का आरोप है कि उनके विधान सभा क्षेत्र की पुलिस जनता का उत्पीड़न कर रही है और भ्रष्टाचार में लिप्त है। उनके विधान सभा क्षेत्र के थानों में अवैध खनन, ड्रग्स एवं अन्य सामानों की तस्करी हो रही है, लेकिन पुलिस अधीक्षक इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही हैं। अवैध खनन के मामले में विधायक के बावजूद पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए केस नहीं दर्ज किया गया, बल्कि बस्ती में आयाजित समीक्षा बैठक में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष में सही जवाब नहीं दिया गया।

उन्होंने विधायक के विशेषाधिकार हनन की शिकायत की है। उनकी मांग है कि उनसे अमर्यादित भाषा में बात करने वाले शोहरतगढ़ थानाध्यक्ष को निलंबित करते में पुलिस अधीक्षक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

दुपहिया वाहन सवार मां, बेटे को रौंदते निकल गया बेकाबू ट्रक, महिला की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले में मंगलवार को बड़ी दुर्घटना हो गई, डुमरिया थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने मोपेड सवार मां, बेटे को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में बुजुर्ग महिला के शरीर का लोथड़ा सड़कों पर बिखर गया, वहीं उसका बेटा गंभीर रूप से घायल है। मंगलवार की सुबह डुमरियागंज थाना अंतर्गत बेवां चौराहा पर एक बुजुर्ग महिला और एक युवक ट्रक की चपेट में आ गए। जिसके चलते मौके पर ही महिला की मौत हो गई। वहीं घायल युवक को नजदीक के सरकारी अस्पताल पर इलाज के लिए ले जाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक और शव को कब्जे में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डुमरियागंज तहसील के बेवां चौराहा पर ओमप्रकाश जायसवाल निवासी भरवटिया बाजार अपनी मां चंपा देवी को लेकर असनहरा में बहन से मिलने जा रहे थे। सुबह चौराहे पर दोपहिया पर सवार खड़े हुए थे। तभी उतरौला की तरफ से आ रही तेज रफ्तार लोडेड ट्रक बस्ती के लिए घूमते ही दोनों को अपने चपेट में ले लिया।इस मौके वृद्धा चंपा देवी के ऊपर ट्रक के दोनों टायर गुजर गए। जिससे महिला का शरीर क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आसपास के लोगों ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवां इलाज के लिए ले गए, जहां हालत की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल में तैनात डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें बस्ती के लिए रवाना कर दिया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।इस संबंध में डुमरियागंज प्रभारी निरीक्षक रमेश यादव ने बताया कि परिजनों द्वारा दी गई तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छप्पर के घर में लगी आग, खुले आसमान के नीचे आया परिवार

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम गजाधरपुर (पोखरवा) में सोमवार की रात करीब 11 बजे अज्ञात कारणों से रिहायशी झोपड़ी, पशुबाड़े में आग लग गई। आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। आग की चपेट में आकर दस बकरी, एक गाय और बछड़ा की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गई। तीन साइकिल और एक बाइक भी जल गई। उसमें लगा लोहा पिघल गया। इस दौरान गैस सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। गांव में अफरा—तफरी मच गई। आग बुझाते समय एक युवक झुलस गया। गुमटी जल गई। जिसमें किराना सम्बन्धित सामान समेत तीन हजार नगदी भी जली। अग्निकांड के शिकार परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है। परिवार बर्बाद हो गया। प्रधान की सूचना पर मंगलवार को हल्का लेखपाल पहुंचकर आंकलन कार्य मे जुट गए है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सरकारी मदद के लिए शासन प्रशासन से मांग की है।

महुली क्षेत्र के गजाधरपुर (पोखरवा) निवासी शिव चन्द्र पुत्र राम पलट गांव के किनारे झोपड़ी रखकर माँ शांति देवी, भाई सुभाष, बहन अर्चना के साथ रहता है। बगल में बकरी, गाय आदि पशुओं को पाल रखा था। शिवचन्द्र के अनुसार सोमवार रात्रि में 11 बजे अचानक अज्ञात कारणों से रिहायशी झुग्गी झोपड़ी में आग लग गई। शोर मचाने के साथ सामान निकलने के प्रयास में जुट गया। आग तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक बेजुबान पशुओं को बाहर निकाल जाता। तब तक आग से दस बकरी, एक गाय, बछड़ा पूरी तरह झुलसकर दम तोड़ चुके थे। उसमें रखी तीन साइकिल, एक बाइक जलकर पिघल गई। कपड़ा, बर्तन, खाद्यान्न व भूसा जलकर नष्ट हो गया। गुमटी पूरी तरह जल गई। उसमें रखा किराना के सामान के साथ लगभग तीन हजार नगदी भी जल गई। आग बुझाते समय भाई सुभाष प्रजापति झुलस गया। शरीर में फफोले पड़ गए। अंदर रखे गैस सिलेंडर में आग लग गई। तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। जिससे गांव में अफरा—तफरी मच गई। आग बुझने के बाद फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचा। सुलग रही चिनगारी पर पानी की बौछार मारकर बुझाया। अग्निकांड का शिकार परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को विवश है। परिवार बर्बादी के कगार पर खड़ा हो गया।

अपने काम पर दें ध्यान, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। सीएचसी अधीक्षक डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा ने मंगलवार को पर्यवेक्षक एवं एएनएम संग बैठक की। अधीक्षक ने कहा कि एएनएम अपने काम पर ध्यान दें नहीं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक एएनएम के कार्यों की समीक्षा करते हुए गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण करने, गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार बार जांच व प्रत्येक जांच में कम से कम छह मुख्य जांचें जैसे वजन, हीमोग्लोबिन, यूरिन, बीपी, पेट की जांच, शुगर की जांच को शामिल करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर बीसीपीएम मेराज अहमद, सूर्य देव सिंह, सुषमा द्विवेदी, राजीव त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 148/2023
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय, जिला सिद्धार्थनगर
अलीमुन्निशा
बनाम
मो0 तौहीर आदि
1. मो0 ताहिर 2. तैय्यब अली 3. मो0 वाजिद पुत्रगण मो0 उमर ग्राम महतिनिया तप्पा भानपुर तहसील डुमरियागंज जिला—सिद्धार्थनगर पोस्ट वासादरगाह

तारीख पेशी 22—10—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 22—10—2024 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपको उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 356/2021
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
जगदीश तिवारी
बनाम
गोरखनाथ आदि
1. घनश्याम 2. हनुमान पुत्रगण गोरखनाथ साकिनान मौजा रायत तप्पा रायत परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जिला—बस्ती 3. विन्दूमती देवी पुत्री गोरखनाथ पत्नी हरिकृष्ण पाठकसाकिन पचमोहनी तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 04—11—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

घर में घुसकर नगदी व जेवर उड़ा ले गए चोर

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बुड्ढी खास गांव निवासी बाबूलाल चौरसिया के घर में घुसकर सोमवार रात चोरों ने नगदी समेत सोने चांदी के जेवरात उठा ले गए। मंगलवार सुबह पीड़ित की सूचना पर पहुंची त्रिलोकपुर पुलिस छानबीन करने में जुट गई है।

पीड़ित बाबू लाल चौरसिया ने बताया कि सोमवार रात को वह अपने घर के दूसरे मंजिले पर सो रहे थे। रात डेढ़ बजे के करीब मेरे घर के पूरब दूसरे के छत से चढ़ कर मेरे घर के जंगले को तोड़ कर घुसे चोरों ने मुझे पकड़ लिया और घर में रखा नगदी व लाखों रुपये का जेवर उठा ले गए। थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। मौखिक सूचना मिलने पर सीओ डुमरियागंज के साथ मौके पर गया था। जांच में प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है।

आपसी सौहार्द के साथ मनाएं गणेश चतुर्थी व बारावफात का पर्व

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थाने में मंगलवार को सीओ गर्वित सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। इसमें सभी से गणेश चतुर्थी व बारावफात का पर्व आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई। पर्व पर कोई नई परम्परा की शुरूआत न करने की हिदायत भी दी गई।

सीओ ने कहा कि पर्व कोई भी हो, सभी अमन चैन का पैगाम देते हैं। ऐसे में सभी लोग पर्व को मेल मोहब्बत और भाईचारे के साथ मनाएं। पर्व पर कोई नई परम्परा की शुरुआत न करें। नियम का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जगह—जगह पुलिस मौजूद रहेगी। कोई भी आराजक तत्व पर्व में खलल पैदा करने की कोशिश करेगा तो उसे बक्शा नहीं जाएगा। किसी प्रकार अफवाह फैलाने या उपद्रव करने वाले के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर इंस्पेक्टर श्रीप्रकाश यादव, इंस्पेक्टर क्राइम राम नारायण,डॉ. नफीस अहमद खान, रिजवान अहमद सिद्दीकी, वसीउल्लाह खान, खान रजा आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 D 202317650000526
धारा— 30 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत— श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय संतकबीर नगर
इन्द्रावती
बनाम
सरकार
साकिन मौजा कटेला तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीरनगर
1. कमलेश 2. पंचम 3. रामअचल 4. सुरेश 5. सूर्यनाथ पुत्रगण हरि प्रसाद 6. श्रीमती प्रभावती पत्नी हरि प्रसाद निवासीगण मोहल्ला बैरिहवा कस्बा तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीरनगर 7. रामजीत 8. रामनाथ पुत्रगण ओरी निवासीगण मौजा करवल केवटहिया तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीरनगर 9. अक्षय कुमार 10. दिलीप पुत्रगण नन्दलाल 11. अनिल पुत्र गोबरी 12. कु0 सुन्दरी पुत्री गोबरी 13. जितेन्द्र पुत्र मिट्ठू 14. तुफानीलाल पुत्र सुखदेव 15. बंशू पुत्र रामअधारे 16. मुन्नू पुत्र सतगुरु 17. रामफेर पुत्र मिट्ठू 18. श्रीमती गोबरी पत्नी नन्दलाल 19. सुनील पुत्र गोबरी 20. छोटू 21. प्रदीप कुमार 22. रामू 23. श्यामू 24. संजय पुत्रगण रामलखन 25. श्रीमती विमला पत्नी रामलखन 26. श्रीमती मनिया पत्नी ओरी निवासीगण मोहल्ला अव्वल केवटलिया कस्बा मेंहदावल तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरब जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 16—09—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

खनन माफिया बेखौफ, पुलिस चौकी के पीछे कर रहे थे अवैध मिट्टी खनन

संवाददाता—अयोध्या। जिले में खनन माफिया बेखौफ हैं। वो पुलिस चौकी के पीछे ही अवैध मिट्टी खनन कर रहे हैं। छापेमारी में 11 ट्रैक्टर ट्राली सीज की गई हैं और 2.75 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जिले में खनन माफिया बेखौफ हो गए हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रुदौली क्षेत्र में शुजागंज पुलिस चौकी के पीछे रात के अंधेरे में मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था। खनन विभाग की टीम ने छापेमारी की तो खनन माफिया के गुर्गे फरार हो गए। इस दौरान यहां से आठ ट्रैक्टर ट्राली सीज की गई। इसी तरह पूराकलंदर थाना से चार किलोमीटर दूर मिट्टी खनन किया जा रहा था। खनन विभाग की टीम ने यहां पर भी छापेमारी कर तीन ट्रैक्टर ट्राली को सीज किया है। खनन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस टीम को भी बुला लिया गया था। पकड़े गए प्रत्येक ट्रैक्टर पर 25,000 रुपये जुर्माना लगाया जा रहा है। इस तरह 11 ट्रैक्टर ट्रालियों के स्वामी से 2.75 लाख रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इसी कड़ी में खनन विभाग ने पूराकलंदर थाना क्षेत्र के लालपुर गांव में मिट्टी खनन की सूचना मिलने पर छापेमारी की गई। वहां से एक जेसीबी, मिट्टी लदी दो ट्रैक्टर ट्राली और मोरंग से लदा एक ट्रक पकड़ा गया। इन वाहनों के स्वामियों पर 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अभियान में खनन विभाग के निरीक्षक चंद्रशेखर पाठक भी शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0— 6665/2023
क0 वाद सं0 T 202317140106665
धारा— 116 उ0प्र0रा0संहिता 2006
अदालत— श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी महोदय हरैया जिला—बस्ती
राधिका देवी आदि
बनाम
रमापति आदि
साकिन मौजा ढेबरहिया राउत तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला—बस्ती
1. रमापति 2. उमापति 3. रघुपति 4. श्रीपति 5. करूणपति पुत्रगण वंशीधर 6. कुसुम देवी पत्नी रमापति तिवारी 7. राधेश्याम पुत्र बैजनाथ 8. कमलापति पुत्रगण गोकरन साकिनान मौजा ढेबरहिया राउत तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—09—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0— 444/
T 20187140305868
अदालत— श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला—बस्ती
तुलसीराम
बनाम
सरकार आदि
1. सरकार उ0प्र0 प्रदेश 2. पुन्नवासी 3. सुकई 4. गोविन्द पुत्रगण बेचू 5. सिंगारी देवी पत्नी बेचू 6. अनिल कुमार 7. सुभाष चन्द्र 8. परमात्मा 9. बाबूराम 10. राधेश्याम 11. रामनाथ 12. विनीत कुमार साकिनान श्रीपालपुर (छोटा बढ़या) तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18—09—2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्णवाद सं0—53/2024
वाद सं0 29/2015
अदालत—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय जिला—बस्ती
राजेश कुमार गुप्ता
बनाम
अनूप कुमार आदि
1. अनूप कुमार उम्र लगभग 56 साल पुत्र स्व0 विजय कुमार गुप्ता साकिन मौजा मोहल्ला पिकौरा बक्श तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
—विपक्षी/ प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. सुनील कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 विजय कुमार गुप्ता साकिन मौजा मोहल्ला पिकौरा बक्श तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती
3. अनिल कुमार मृतक

तारीख पेशी 25—09—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 430/2009
संतोष कुमार
बनाम
विनोद कुमार जायसवाल आदि
1/1 दिनेश जायसवाल उम्र 39 वर्ष 1/2 आशीष जायसवाल उम्र 30 वर्ष 1/3 रितेश जायसवाल पुत्रगण विनोद कुमार जायसवाल 1/4 मीरा जायसवाल उम्र 60 वर्ष पत्नी स्व0 विनोद कुमार जायसवाल साकिनान मौजा पाण्डेय बाजार बांसी रोड पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 11—09—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 11 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर हुई गोष्ठी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी में मंगलवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. संतोष सिंह ने कहा कि आत्महत्या जैसे कलंक को कम करने के लिए प्रत्येक वर्ष 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। कोई भी व्यक्ति आत्महत्या जैसा कदम तब उठाता है जब वह पूरी तरह हताश—निराश हो जाता है। उसे कहीं से कोई भी आशा की किरण नजर नहीं आती। इससे बचाव करने के लिए आत्महत्या रोकथाम दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर डॉ. रितेश कुमार शुक्ल, डॉ.दयाशंकर, डॉ.राजेश कुमार यादव, डॉ.आलोक दुबे, डॉ. अखिलेश उपाध्याय, डॉ.मनीष कुमार भारती आदि मौजूद रहे।

गर्भवती की गोदभराई, बच्चों का कराया अन्नप्राशन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। पोषण अभियान कार्यक्रम के तहत बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से मंगलवार को तहसील सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पांच गर्भवती की गोदभराई व जन्म के बाद छह माह की अवधि पूरी कर चुके पांच बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने तहसील परिसर से जागरूकता रैली भी निकाली। तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि विभाग की योजनाओं को हर लाभार्थी तक पहुंचाने का कार्य सरकार की ओर से किया जा रहा है।

इस दौरान सीडीपीओ नीलम वर्मा आदि मौजूद रहीं।

ईमानदारी पूर्वक करें अपने दायित्व का निर्वहन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी भाषा एवं गणित आधारित प्रशिक्षण के नौवें बैच का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। बीईओ संजय कुमार ने कहा कि विभाग शिक्षकों को शिक्षण व्यवस्था में दक्ष बनाने के लिए समय—समय पर प्रशिक्षण का आयोजन करता रहता है। सभी शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यालयों में अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करें। प्रशिक्षण के पहले सत्र में ट्रेनर ऐश्वरलता ने बुनियादी हिन्दी भाषा की अवधारणा, टीम बिल्डिंग गतिविधि के माध्यम से बच्चों की शिक्षा व प्रशिक्षण का संक्षिप्त विवरण दिया। एआरपी मुश्ताक अहमद ने दूसरे सत्र में प्रशिक्षण के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए बच्चों का समग्र विकास, बुनियादी शिक्षा प्रदान करना, बच्चों को पढ़ने लिखने और समझने के साथ ही गणितीय गणना में दक्षता कैसे हासिल की जाए इस पर जानकारी दी। इस अवसर पर जियाफत हुसैन, अब्बास अली, आफताब आलम, जीनत फारुकी, फखरूदीन अहमद, अनवर हुसैन, अजय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

झंडा, बैनर लगाने की शिकायत, पुलिस ने हटवाया

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे में एक पक्ष की ओर से एक स्थान पर बैनर व दूसरे स्थान पर त्योहार को लेकर झंडा लगाया था। दूसरे पक्ष के लोगों ने शिकायत की तो पुलिस ने हटवा दिया। एक दिन पूर्व भी झंडा लगाने को लेकर विवाद हो चुका था। भट्ठा मोहल्ला में एक पक्ष की ओर से त्योहार पर बधाई देने वाला एक बैनर लगाया गया था। उस पर छोटे बच्चों का फोटो छपा था। मिल कॉलोनी में एक चाय की दुकान के नजदीक झंडा लगा दिया गया था। दोनों ही स्थानों की शिकायत दूसरे पक्ष ने की तो पुलिस ने उसे हटवा दिया।